8वीं एडीएमएम-प्लस बैठक

प्रलिम्सि के लयि:

एडीएमएम-प्लस, दक्षणि चीन सागर, आसयिान

मेन्स के लयि:

भारत के लयि ADMM प्लस वार्ता की प्रासंगकिता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के रक्षा मंत्री ने 8वीं आसयिान रक्षा मंत्रयिों की बैठक (ADMM प्लस) को संबोधति कयिा।

- ADMM-Plus आसयिान और उसके आठ संवाद भागीदारों का एक मंच है।

प्रमुख बदि:

सुरक्षा और ववाद समाधान:

- भारत ने राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के आधार पर इंडो-पैसफिकि में एक खुली और समावेशी व्यवस्था का आह्वान कयिा।
- यह दक्षणि चीन सागर सहति अंतर्राष्ट्रीय जलमार्गों में नेवगिेशन, ओवरफ्लाइट और अबाध वाणज्यि की स्वतंत्रता का समर्थन करता है, भारत को उम्मीद है कि इस आचार संहता वार्ता (दक्षणि चीन सागर के लयि) से ऐसे परणािम नकिलेंगे जो 'समुद्र कानून पर संयुक्त राष्ट्र अभसिमय' (UNCLOS) सहति अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप होंगे।
  - हाल ही में आसयिान और चीन ने इस कोड पर वार्ता को फरि से शुरू करने में तेज़ी लाने पर सहमतविय्क्त की, जो महामारी के कारण रुकी हुई थी।
  - चीन और आसयिान ने कथति रूप से बाध्यकारी आचार संहता पर वर्ष 2013 में बातचीत शुरू की थी।
- बातचीत और अंतर्राष्ट्रीय नयिमों एवं कानूनों के पालन के माध्यम से ववािदों के शांतपिूर्ण समाधान पर ज़ोर दयिा गया।
- अंतर्राष्ट्रीय शांतिऔर सुरक्षा के लयि उभरती चुनौतयिों का समाधान करने हेतु नई प्रणालयिों की आवश्यकता है।

'एक्ट ईस्ट' पॉलसिी:

- एक्ट ईस्ट पॉलसिी का प्रमुख उद्देश्य द्वपिक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय स्तरों पर नरिंतर जुड़ाव के माध्यम से आर्थकि सहयोग, सांस्कृतकि संबंधों को बढ़ावा देना और हदि-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ रणनीतकि संबंध वकिसति करना है।

आतंकवाद:

- आतंकी संगठनों और उनके नेटवर्क को पूरी तरह से बाधति करने के लयि सामूहकि सहयोग का आह्वान कयिा गया।
  - अपराधयिों की पहचान करने और उन्हें जवाबदेह ठहराने तथा यह अपेक्षा की गई कआितंकवाद का समर्थन करने, उसे वत्तिपोषति करने एवं आतंकवादयिों को शरण देने वालों के खलिाफ कड़े कदम उठाए जाएँ।
- फाइनेंशयिल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) के सदस्य के रूप में भारत आतंकवाद के वत्तिपोषण का मुकाबला करने के लयि प्रतबिद्ध है।
  - FATF ग्लोबल मनी लॉन्ड्रगि और टेररस्टि फाइनेंसगि वॉचडॉग है।

साइबर सुरक्षा:

- एक बहु-हतिधारक दृष्टकिोण का आह्वान कयिा गया, जो लोकतांत्रकि मूल्यों द्वारा नरि्देशति हो तथा एक खुली और समावेशी शासन संरचना हो एवं यह देशों की संप्रभुता के लयि एक सुरक्षति और स्थरि इंटरनेट व्यवस्था से संबंधति हो, जो साइबरस्पेस के भवषि्य को तय करेगा।

कोविड-19:

- विश्व स्तर पर उपलब्ध पेटेंट मुक्त टीके, निर्बाध आपूर्ति शृंखला और अधिक वैश्विक चिकित्सा क्षमता कुछ ऐसे प्रयास हैं, जिनका सुझाव भारत ने संयुक्त प्रयास के माध्यम से दिया है।
  - दक्षिण अफ्रीका और भारत ने विश्व व्यापार संगठन (WTO) से कोविड -19 से संबंधित बौद्धिक संपदा (IP) अधिकारों को निलंबित करने का आह्वान किया है ताकि महामारी को नियंत्रित करने के लिये टीकों और नई तकनीक का समान साझाकरण सुनिश्चित किया जा सके।

मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) संचालन:

- भारत विस्तारित पड़ोस में संकट के समय में तत्काल प्रतिक्रिया देने वाले पहले देशों में से एक है।
- एशियाई तटरक्षक एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक (HACGAM) के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत समुद्री खोज और बचाव के क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण को बढ़ाना चाहता है।
  - HACGAM एक शीर्ष स्तर का मंच है जो एशियाई क्षेत्र की सभी प्रमुख तटरक्षक एजेंसियों के एकीकरण की सुविधा प्रदान करता है, इसकी स्थापना वर्ष 2004 में हुई थी।

आसियान की केंद्रीयता:

- भारत आसियान के साथ एक गहरा संबंध साझा करता है और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता में योगदान देने वाले कई क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भागीदारी जारी रखता है, विशेष रूप से आसियान के नेतृत्व वाले तंत्र के माध्यम से, जैसे:
  - ईस्ट एशिया समिट
  - आसियान रीजनल फोरम
  - ADMM प्लस
- भारत-आसियान रणनीतिक साझेदारी उनके बीच समृद्ध सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों और लोगों-से-लोगों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देने के कारण मज़बूत हुई है।

ADMM प्लस:

- वर्ष 2007 में सिंगापुर में दूसरी आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम) में एडीएमएम-प्लस की स्थापना के लिये एक प्रस्ताव अपनाया गया।
  - पहली ADMM-Plus वार्ता वर्ष 2010 में हनोई, वियतनाम में आयोजित की गई थी।
  - ब्रुनेई वर्ष 2021 के लिये ADMM प्लस फोरम का अध्यक्ष है।
- दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ (आसियान) एक क्षेत्रीय संगठन है जिसे एशिया-प्रशांत के उत्तर-औपनिवेशिक राज्यों के मध्य बढ़ते तनाव के बीच राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये स्थापित किया गया था।

सदस्यता:

- एडीएमएम-प्लस देशों में दस आसियान सदस्य राज्य और आठ अन्य देश शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूज़ीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूसी संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका।

उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य अधिक संवाद और पारदर्शिता के माध्यम से रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देना है।

सहयोग के क्षेत्र:

- समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद का मुकाबला, मानवीय सहायता और आपदा राहत, शांति अभियान तथा सैन्य चिकित्सा।

//

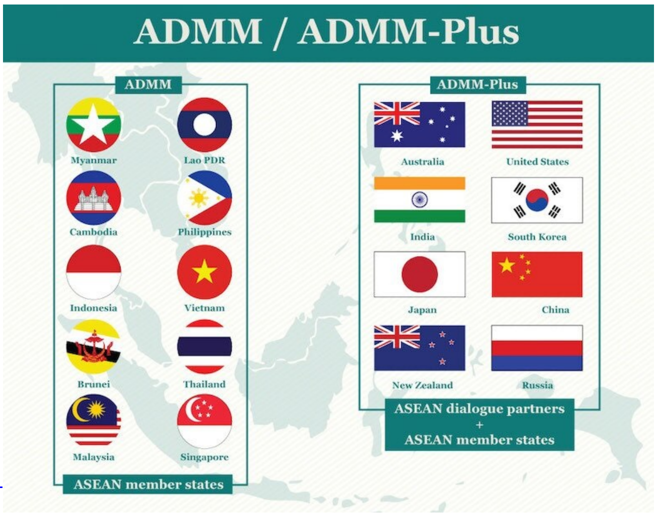

स्रोत-पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/8th-admm-plus-meeting